मेघालय में अस्थिरता

प्रिलिम्स के लिये

खासी समुदाय, पूर्वोत्तर की भौगोलिक अवसंरचना

मेन्स के लिये

पूर्वोत्तर राज्यों में विद्रोह: पृष्ठभूमि, कारण और प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 'हन्नीवट्रेप नेशनल लिब्रेशन काउंसिल' (HNLC) का एक पूर्व आतंकवादी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया, जिससे मेघालय में सुरक्षा संकट और अस्थिरता की स्थिति पैदा हो गई है।

- इस मुठभेड़ को पूर्वी खासी हिल्स और पूर्वी जयंतिया हिल्स की पुलिस टीम द्वारा अंजाम दिया गया।

//

प्रमुख बिंदु

पृष्ठभूमि

- मेघालय, बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करता है और यहाँ पड़ोसी देश के साथ-साथ भारत के अन्य हिस्सों जैसे- बंगाल, पंजाब और बिहार के प्रवासी मौजूद हैं।
- इस प्रवास ने स्वदेशी और स्थानीय समुदायों के बीच गंभीर चिंता को जन्म दिया तथा 'बाहरी लोगों' की आमद के कारण इन समुदायों के बीच 'अपनी मातृभूमि में अल्पसंख्यक' बनने का डर उत्पन्न हो गया।
- इन्हीं 'बाहरी-विरोधी भावनाओं' की परिणिति थी, जिसके कारण वर्ष 1992 में मेघालय के पहले उग्रवादी समूह 'हन्नीवट्रेप अचिक नेशनल लिब्रेशन काउंसिल' (HALP) का गठन हुआ।
    - हन्नीवट्रेप ने खासी और जयंतिया समुदायों का प्रतिनिधित्व किया, जबकि अचिक ने गारो समुदाय का प्रतिनिधित्व किया।

- 'हन्नीवट्रेप अचकि नेशनल लबि्रेशन काउंसलि' का बाद में वभिाजन हो गया और 'हन्नीवट्रेप नेशनल लबि्रेशन काउंसलि' अस्तत्वि में आया, जो खासी और जयंतयिा समुदायों का प्रतनिधित्वि करता था और 'अचकि मातग्रकि लबिरेशन आर्मी' जो गारो समुदाय का प्रतनिधित्वि करती थी।
    - 'अचकि मातग्रकि लबिरेशन आर्मी' को बाद में 'अचकि नेशनल वालंटयिर्स काउंसलि' (ANVC) में बदल दयिा गया।
- HNLC ने केवल खासी समुदायों के हतिों का प्रतनिधित्वि करने का दावा कयिा, जबकि 'अचकि मातग्रकि लबिरेशन आर्मी' ने गारो समुदाय के लयि एक अलग राज्य की मांग की।

मेघालय में उग्रवाद की वर्तमान स्थति:

- वर्ष 2004 में ANVC ने सरकार के साथ एक वस्तिारति युद्धवरिाम समझौता कर लयिा था, जबकि HNLC सरकार के साथ सशर्त शांतवािर्ता करने की कोशशि कर रहा है।
- पछिले कई वर्षों में, मेघालय में उग्रवाद में गरिावट देखी गई है।
    - वर्ष 2018 में उग्रवाद से संबंधति घटनाओं में 80% की गरिावट के बाद केंद्र सरकार ने मेघालय से **सशस्त्र बल वशिेष अधकिार अधनियिम'** (AFSPA) को लगभग 27 वर्षों के बाद वापस ले लयिा था।

अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में वद्रिोह

- **नगालैंड:** नगा वद्रिोह
- **मज़िोरम:** मज़िो आंदोलन
- **असम वद्रिोह:** वर्ष 1979 में अवैध प्रवासयिों के नर्विासन के लयि 'यूनाइटेड लबिरेशन फ्रंट ऑफ असम' (ULFA) का गठन कयिा गया था।
    - बोडोलैंड राज्य आंदोलन।
- **मणपिुर:** मणपिुर के स्थानीय लोगों के खलिाफ भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से वर्ष 1964 में 'यूनाइटेड नेशनल लबिरेशन फ्रंट' का गठन कयिा गया था।
- **अरुणाचल प्रदेश:** अरुणाचल प्रदेश में स्वदेशी वद्रिोह आंदोलन का एकमात्र मामला 'अरुणाचल ड्रैगन फोर्स' (ADF) का उदय था, जसिे वर्ष 2001 में 'ईस्ट इंडयिा लबिरेशन फ्रंट' (EALF) के रूप में पुनर्गठति कयिा गया था।
- **मौतें:**
    - पूर्वोत्तर में नागरकिों और सुरक्षा बलों दोनों की ही बहुत बड़ी संख्या में मौतें हुई हैं।
- **भारत की पूर्वोत्तर आर्थकि नीतयिों में बाधा:**
    - तेल समृद्ध असम में आतंकवादयिों द्वारा समय-समय पर तेल और गैस पाइपलाइनों को लक्ष्य बनाया जाता है, उनका यह आरोप है कि भारत इस राज्य के प्राकृतकि संसाधनों का दोहन कर रहा है।
    - उग्रवादयिों के हमलों के बाद राष्ट्रीय परयिोजनाएँ या तो ठप हो जाती हैं या धीमी गतसिे आगे बढ़ी हैं। पर्यटन, जो बेहद खुबसूरत पूर्वोत्तर राज्यों में फल-फूल सकता था, क्षेत्र में अस्थरिता के कारण इसे काफी नुकसान हुआ है।
- **भारत की एक्ट ईस्ट पॉलसिी में बाधा:**
    - आतंकवाद ने पूर्वोत्तर राज्यों की अर्थव्यवस्था को पड़ोसी दक्षणि-पूर्व एशयिाई देशों से जोड़ने की संभावना को भी रोक दयिा है
- **शक्षिा में बाधा:**
    - शक्षिा क्षेत्र भी उग्रवाद से प्रभावति हुआ है। त्रपिुरा के आंतरकि क्षेत्रों में कई स्कूल बंद कर दयि गए हैं क्योंकि शक्षिक आतंकवादी हमलों के डर के कारण उग्रवाद प्रभावति क्षेत्रों में जाने से बचते हैं।

वद्रिोह का मुकाबला करने हेतु उपाय:

- **सैन्य अभयिान और वशिेष अधनियिम:**
    - 1990 के दशक में असम में ULFA उग्रवादीयों के खलिाफ दो सैन्य अभयिान, ऑपरेशन राइनो और बजरंग शुरू कयि गए थे।
    - AFSPA (सशस्त्र बल वशिेष अधकिार अधनियिम) के तहत सशस्त्र बलों को आपातकालीन स्थतियिों से नपिटने हेतु वशिेष शक्तयिाँ प्रदान की गई थीं। यह पूरे असम, नगालैंड, अधकिांश मणपिुर और अरुणाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में लागू है।
- **शांतवािर्ता:**
    - आज इस क्षेत्र के लगभग सभी प्रमुख वद्रिोही समूहों मैइतेई वद्रिोहयिों को छोड़कर संघ और/या राज्य सरकारों के साथ युद्धवरिाम या सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (Suspension of Operation- SoO) समझौतों में शामलि हो गए हैं ।
    - वे शांतवािर्ता में लगे हुए हैं और कुछ ने तो अपने सशस्त्र कैडरों को भी भंग कर दयिा है।
- **इनर लाइन परमटि (ILP):**
    - मज़िोरम, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के स्थायी लोगों की मूल पहचान को बनाए रखने के लयि इन राज्यों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतबिंध लगाया गया है, बाहरी लोगों को ILP के बनिा राज्य में प्रवेश की अनुमतनिहीं है।
- **पूर्वोत्तर क्षेत्र वकिास मंत्रालय (DoNER):**
    - यह क्षेत्र के सामाजकि-आर्थकि वकिास की गतको तीव्र करने के लयि पूर्वोत्तर क्षेत्र में वकिास योजनाओं और परयिोजनाओं के नष्पिादन और नगिरानी से संबंधति मामलों हेतु ज़म्मिेदार है।

खासी समुदाय

- खासी उत्तर-पूर्वी भारत में मेघालय का एक स्वदेशी जातीय समूह है। इसकी एक वशिष्टि संस्कृतहै और यह मेघालय की सबसे बड़ी जनजातहै।
    - संपत्तका उत्तराधकिार और आदवािसी कार्यालय का उत्तराधकिार दोनों ही महलिाओं के माध्यम से चलते हैं। खासी आदवािसी परविार की

सबसे छोटी बेटी परिवार में काफी महत्त्व रखती है।

- खासी **ऑस्ट्रोएशियाटिक स्टॉक (Austroasiatic Stock**) की मोन-खमेर (**Mon-Khmer**) भाषा बोलते हैं।
- वे कई कुलों में विभाजित हैं। गीला चावल (धान) उनके निर्वाह हेतु मुख्य भोजन है जिसकी खेती घाटी के तल में और पहाड़ियों पर बने छत के बगीचों में की जाती है।

गारो समुदाय

- गारो, जो खुद को आचिक (A·chiks) कहते हैं, मेघालय की दूसरी सबसे बड़ी जनजाति है।
- गारो की एक मज़बूत परंपरा है क्योंकि वे तिब्बत से आए हैं। उनकी कई बोलियाँ और सांस्कृतिक समूह हैं। उनमें से प्रत्येक मूल रूप से गारो हिल्स के एक विशेष क्षेत्र और बाहरी मैदानी भूमि पर बस गए।
- हालाँकि आधुनिक गारो समुदाय की संस्कृति ईसाई धर्म से काफी प्रभावित रही है। इसमें सभी बच्चों को माता-पिता द्वारा समान देखभाल, अधिकार और महत्व दिया जाता है।
- गारो विवाह दो महत्त्वपूर्ण कानूनों द्वारा नियंत्रित होता है जैसे- बहिर्विवाह और आकिम (A·Kim) एक ही कबीले से संबंधित हैं, एक ही कबीले के बीच विवाह की अनुमति नहीं है।

आगे की राह

- मुख्य भूमि के साथ क्षेत्र के बेहतर एकीकरण के लिये सरकार को संचार और कनेक्टिविटी, बुनियादी ढाँचे में सुधार करना चाहिये।
- उग्रवादियों के हमले के त्वरित निपटान के लिये सख्त कानून और तेज़ आपराधिक न्याय प्रणाली लागू की जानी चाहिये।
- सरकार को बेहतर सामरिक प्रतिक्रिया और देश के बाकी हिस्सों के साथ अधिक-से-अधिक वार्ताओं के माध्यम से सांस्कृतिक एवं सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये केंद्रीय बलों व राज्य बलों के बीच अधिक समन्वय को बढ़ावा देना चाहिये ताकि समग्र समावेशी विकास सुनिश्चित हो।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/upheaval-in-meghalaya